

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 20, मौखिक विचारों का अनुवाद, भाग 2

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 20, मौखिक विचार, भाग 2 है।

हम मौखिक विचारों और मौखिक विचारों का अनुवाद कैसे करें, इस बारे में अपनी चर्चा जारी रख रहे हैं। तो, यह मौखिक विचार, भाग 2 है, और मैं मौखिक विचारों के बारे में पहली चर्चा में हमने जो कुछ भी कवर किया था, उसकी समीक्षा के साथ शुरू करना चाहता था।

मौखिक विचार किसी प्रकार की अवधारणा है जिसमें क्रिया निहित होती है, लेकिन इसे भाषण के किसी अन्य भाग द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। यह संज्ञा या कृदंत हो सकता है, जो शब्दों का ING रूप है, जैसे उसका गायन। अगर हम कहें, उसके गायन ने मुझे पागल कर दिया, तो उसका गायन एक चीज़ की तरह है, लेकिन यह वास्तव में कोई चीज़ नहीं है। यह वास्तव में एक क्रिया है।

कभी-कभी, हमारे पास मौखिक विचार एक विशेषण में निहित होता है, और हम पहली बार इसे कवर करने के लिए उस पर विचार करेंगे, लेकिन अब मैं बस उन्हें दोहराना चाहता था और पिछले व्याख्यान में हमने जो चर्चा की थी, उसे कवर करना चाहता था। इसलिए, जब समीक्षा के माध्यम से मौखिक विचारों का अनुवाद किया जाता है, तो उन्हें समझना चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि वे हमें कुछ निश्चित जानकारी नहीं बताते हैं। दूसरे शब्दों में, जब आप मौखिक संज्ञा, या मौखिक विशेषण, या कृदंत का उपयोग करते हैं तो संचार में अंतराल होते हैं।

क्या कमी है? कार्य करने वाले का उल्लेख नहीं किया गया है। इसलिए, अगर हम विश्वास कहते हैं, तो कोई व्यक्ति किसी चीज़ पर विश्वास कर रहा है। इसलिए जो व्यक्ति उस पर विश्वास करता है उसका उल्लेख नहीं किया गया है; वे किस पर विश्वास करते हैं इसका उल्लेख नहीं किया गया है, और यह इस संज्ञा में निहित है।

तो, जो कार्य कर रहा है, वह वहाँ नहीं है। यह शब्द में स्पष्ट नहीं है। जो कार्य प्राप्त कर रहा है, कार्य प्राप्त करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों का भी उल्लेख नहीं है।

और अगर आपको नहीं पता कि कौन कार्रवाई प्राप्त कर रहा है, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि किस बारे में बात की जा रही है। और यही बात, खास तौर पर पत्रों को बहुत जटिल बनाती है। अगर आप मोक्ष कहते हैं, तो कौन बचा रहा है? कौन बचाया जा रहा है? और वे किससे बचाए जा रहे हैं? यह सब पूरी तरह से छोड़ दिया जाता है।

अगर हम कहें, क्षमा, तो वही बात है। पवित्रीकरण भी वही बात है। और इसलिए, याद रखें, इस पूरी श्रृंखला में हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह संचार में अंतराल पर ध्यान केंद्रित करना

है क्योंकि हम उचित, स्पष्ट, सटीक, स्वाभाविक संचार चाहते हैं जो लोगों को आकर्षित करता है, और यह भगवान के साथ उनके रिश्ते को बढ़ाता है।

हम यही चाहते हैं। और हमने कहा कि संचार में ये अंतर स्थानीय लोगों द्वारा समझा जा सकता था, जिन्होंने ये पत्र और दस्तावेज़ प्राप्त किए, लेकिन हम उस दुनिया से नहीं हैं। हम उस भाषा से नहीं हैं।

हम उस समय अवधि से नहीं हैं। और इसलिए, हमारे पास अपने दिमाग में अंतराल को भरने की सुविधा नहीं है, जैसा कि उस समय अवधि के लोगों के पास थी। और इसलिए, अगर वे अंतराल हमारे अनुवादों में बने रहते हैं, तो इन अनुवादों के हमारे पाठक भी उन कनेक्शनों को नहीं समझ पाएंगे, और वे शायद यह सोचकर चले जाएंगे कि यहाँ किस बारे में बात की जा रही है? मुझे लगता है कि मैं कुछ हद तक जानता हूँ, लेकिन मैं वास्तव में निश्चित नहीं हूँ।

खास तौर पर अगर कोई व्यक्ति नया विश्वासी है या खास तौर पर अगर यह उन लोगों का समुदाय है जो अभी तक सुसमाचार से वंचित हैं। लेकिन जब हम चर्च में काम करते हैं, तब भी जब मैंने अमेरिका में उन लोगों के साथ इनमें से कुछ विचारों को साझा करने की कोशिश की है जो चर्च में पले-बढ़े हैं और जो शास्त्रों के अच्छे जानकार हैं, तब भी मैं इन चीजों से जूझता हूँ। तो, यही वह है जो हम करने की कोशिश कर रहे हैं, और हम समझने में आने वाली किसी भी बाधा, रुकावट या रुकावट को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर संभव हो तो।

पहले व्याख्यान में हमने जो प्रक्रिया अपनाई, उससे पता चलता है कि यह संभव है, हर मामले में 100% नहीं, लेकिन इसमें सुधार करना और कम से कम कुछ बाधाओं को दूर करना संभव है, यदि संख्या नहीं, तो उनमें से काफी कुछ। इसलिए, कार्रवाई करने वाले का उल्लेख नहीं किया गया है, कार्रवाई प्राप्त करने वाले का उल्लेख नहीं किया गया है, और साथ ही, कार्रवाई स्वयं अस्पष्ट हो सकती है। इसके अलावा, वाक्यांश का कार्य अस्पष्ट हो सकता है।

उदाहरण के लिए, हमने कल या क्षमा करें, पिछले व्याख्यान में इस अभिव्यक्ति का इस्तेमाल किया था। यरूशलेम आ रहा है। क्षमा करें, यरूशलेम कौन आ रहा है? इसका उल्लेख नहीं किया गया है।

इसका उल्लेख ऐसे वाक्यांश में कृदंत के साथ क्यों किया गया है? आना एक कृदंत है, यरूशलेम में आना, और यह बस एक समय वाक्यांश था। खैर, हमें यह समझने की ज़रूरत है कि यह कोई प्रक्रिया नहीं है जिसका वर्णन किया जा रहा है। यह ग्रीक का एक कार्य है जहाँ आप उस कृदंत को यह इंगित करने के लिए रख सकते हैं कि यह कब हुआ।

तो यही है कि हम फ़ंक्शन से क्या मतलब रखते हैं। वाक्यांश का फ़ंक्शन क्या है? और अगर आपने अभी-अभी 'यरुशलम में आते हुए, यीशु ने अंजीर के पेड़ को शाप दिया' पढ़ा है, तो आपको आश्चर्य होगा कि उन्होंने इसे इस तरह से कृदंत में क्यों रखा। तो, ऐसे शब्द जटिल वाक्यांशों में हो सकते हैं। कभी-कभी उनके पास एक जननात्मक वाक्यांश होता है, कभी-कभी यह भाषण के एक भाग में होता है, कभी-कभी यह एक अलंकार या एक मुहावरा होता है, एक

जननात्मक वाक्यांश में, और आप एक बहुत ही जटिल मार्ग, एक बहुत ही जटिल छंद, बहुत ही कम समय, स्थान और बहुत ही कम शब्दों में समाप्त होते हैं।

इसलिए, यह वास्तव में भ्रामक हो सकता है। इसलिए, हम अनुवादकों के रूप में सबसे पहले अपने मन में उस भ्रम को दूर करने का प्रयास करना चाहते हैं। याद रखें, हम वह अनुवाद नहीं कर सकते जो हमें समझ में नहीं आता।

और इसलिए हम बाइबल पाठकों के रूप में अनुवाद के चरण पर जाने से पहले पाठ को तोड़ने के बारे में बात कर रहे हैं। वैसे, यह सारी जानकारी, भले ही आप बाइबल अनुवादक न हों, यह आपको शास्त्रों को एक अलग तरीके से समझने में मदद कर सकती है, और फिर यह आपकी शिक्षा को बढ़ा सकती है यदि आप बाइबल अध्ययन पढ़ा रहे हैं या आप चर्च में संदेश दे रहे हैं, या यदि आप किसी विशेष अंश के बारे में दोस्तों से बात कर रहे हैं। ठीक है, तो हमने जिस बारे में बात की वह यह है कि जितना संभव हो सके अंतराल को भरें और इस निहित जानकारी को भरें।

खोज की प्रक्रिया वहाँ है, जैसा कि हमने कहा क्योंकि लेखक ने वे बातें नहीं कही। ठीक है, और कई भाषाओं में अमूर्त संज्ञाएँ नहीं होती हैं, और इसका अनुवाद करना असंभव है जैसा कि हमने पापुआ न्यू गिनी में गलातियों 5.22 और 23 से देखा। यदि आप वे सभी शब्द कहते हैं, तो यह उनके दिमाग में शून्य बनाता है, और यह केवल शोर है।

इसका मतलब यह है कि हमें बाइबल के पाठ को लक्ष्य पाठ में अनुवाद करने से पहले उसमें कुछ बदलाव करने होंगे, व्याकरण को समायोजित करना होगा, शब्दावली को समायोजित करना होगा, संज्ञा से क्रिया तक, विशेषण से क्रिया तक। इसलिए, हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह अनुवाद के अगले भाग में जाने से पहले अर्थ को खोजना है। ठीक है, तो हमने तीन तरह के मौखिक विचारों का उल्लेख किया है।

संज्ञाएँ, और हम इन अमूर्त संज्ञाओं पर विचार करेंगे। एक ठोस संज्ञा एक भौतिक चीज़ है जिसे आप छू सकते हैं, चख सकते हैं, देख सकते हैं, सुन सकते हैं और महसूस कर सकते हैं। इसलिए, ये अमूर्त संज्ञाएँ हैं।

हमारे पास विश्वास, आज्ञाकारिता, बपतिस्मा, पश्चाताप, उद्धार, धार्मिकता, संगति, जिसे कोइनोनिया के नाम से भी जाना जाता है। फिर हमारे पास विशेषण हैं, चुने हुए लोग। उसने अपने स्वर्गदूतों को अपने चुने हुए लोगों को इकट्ठा करने के लिए भेजा।

उद्धारकर्ता। मैं इसे विशेषण क्यों कहता हूँ? यह एक विशेषण है, लेकिन यह कुछ और भी है। पापी, प्रेरित, सेवक, शासक, पर्यवेक्षक।

एक अर्थ में, वह व्यक्ति जो ऐसा कर रहा है, वह व्यक्ति जो बचाता है, वह व्यक्ति जो शासन करता है, वह व्यक्ति जिसे भेजा गया था, वह व्यक्ति जो देखरेख करता है। और अगर आप इसके बारे में इस तरह से सोचते हैं, तो यह विश्वास जैसी अमूर्त चीज़ से थोड़ा ज़्यादा ठोस चीज़ की ओर बढ़ जाता है, एक व्यक्ति जो कोई ख़ास गतिविधि कर रहा है। तीसरा है कृदंत, अभिवादन।

हमारे साथ ऐसा ही हुआ जब एलिज़ाबेथ ने मरियम से कहा कि जब मैंने तुम्हारा अभिवादन सुना तो समझ में आ गई। वे यीशु की समझ पर आश्चर्यचकित थे।

पिटार्ई। उसकी पिटार्ई बहुत ज़्यादा थी। आ रहा है।

यरूशलेम पहुँचकर गाना गाने लगे। जेल में पौलुस और बरनबास के गाने ने शासक का ध्यान खींचा।

सफ़ाई। मंदिर की सफ़ाई। शोक।

अपने रिश्तेदार के खोने का शोक मनाना। तो , हम देखते हैं कि ये अलग-अलग शब्द हैं। संज्ञा और वह विशेषण विशेषण हैं, अगर मैं इसे इस तरह से कह सकता हूँ, चुने हुए और उद्धारकर्ता, आदि के।

फिर, हम उन कृदंतों और ING शब्दों पर चर्चा करेंगे जिनका हम अपनी भाषा में उपयोग करते हैं। और व्याकरण की दृष्टि से, ये सभी चीजें संज्ञाएं हैं। वे वाक्य में संज्ञा का स्थान भरते हैं।

वे वाक्य के विषय स्थान को भरते हैं। इसलिए, व्याकरणिक रूप से, वे संज्ञा हैं। और व्याकरणिक रूप से, वे वाक्य के विषय हैं।

यही समस्या है क्योंकि कभी-कभी इसका कोई मतलब नहीं निकलता। कभी-कभी, भाषाएँ ऐसा भी नहीं कर पातीं। और इसलिए हमने पूछा, चरण क्या हैं? हमने अंतर्निहित क्रिया की पहचान की।

हमने कार्रवाई से जुड़े प्रतिभागियों की पहचान की, और कभी-कभी, वे प्रतिभागी निर्जीव वस्तुएं होती हैं। और हमने उदाहरण दिया, मैंने टेड को किताब दी। "पुस्तक" तकनीकी रूप से एक निर्जीव वस्तु है।

यह कुछ भी नहीं करता है, लेकिन यह किसी तरह से कार्रवाई से जुड़ा हुआ है, इसलिए, हम इसे बेहतर शब्द के अभाव में भागीदार कहते हैं। लेकिन कम से कम हमारे पास यह कहने के लिए एक श्रेणी है कि, ठीक है, इस कार्रवाई में हमारे पास तीन चीजें शामिल हैं। हमारे पास जॉर्ज है, हमारे पास टेड है, और हमारे पास किताब है।

ठीक है, तो हम प्रतिभागियों की पहचान करते हैं। फिर, हम वाक्य को फिर से कहने की कोशिश करते हैं, क्रिया करने वाले व्यक्ति को बनाते हैं, प्रतिभागियों को स्पष्ट करते हैं, और इसे एक परिमित क्रिया के रूप में बताते हैं। परिमित क्रिया एक क्रिया है जिसमें काल, वर्तमान काल, भूत काल और भविष्य काल होता है।

और इसमें एक व्यक्ति है जो इसे कर रहा है। मैंने इसे प्रथम व्यक्ति, द्वितीय व्यक्ति और तृतीय व्यक्ति में किया। इसलिए वे परिमित क्रियाएँ हैं।

इसलिए, हम इसे एक सीधी क्रिया, एक परिमित रूप के साथ बताते हैं, बजाय एक क्रियाविशेषण के, जो जाना होगा। हम कहते हैं, मैं जाता हूँ, या टेड जाता है। तो वे परिमित क्रियाएँ हैं, जबकि क्रियाविशेषण एक परिमित क्रिया नहीं है।

कृदंत परिमित क्रिया नहीं हैं क्योंकि आपके पास व्यक्ति के साथ वे व्याकरणिक संबंध नहीं होते हैं, चाहे वह प्रथम, द्वितीय और तृतीय व्यक्ति हो, एकवचन और बहुवचन हो, और हमारे पास काल, भूत, वर्तमान और भविष्य का समय संदर्भ नहीं होता है। ठीक है, तो फिर एक बार जब हम उस सारी जानकारी के साथ इसे फिर से कहते हैं, तो हम उस वाक्य का अनुवाद करने की कोशिश करते हैं जिसे हमने बनाया था। यह एक तरह का अग्रदूत है, एक पूर्व-प्रसंस्करण चरण जिससे अनुवाद टीम गुजरती है ताकि वे इस पर विचार कर सकें कि यह वास्तव में क्या कहता है। और एक बार जब यह टूट जाता है, तो यह अनुवाद करना बहुत आसान बना देता है।

हम यह किस भाषा में करते हैं? खैर, हम इसे उसी भाषा में करते हैं जिसका अनुवाद टीम संवाद करने के लिए उपयोग कर रही है। इसलिए, यदि यह लैटिन अमेरिका में है, तो इसमें शामिल सभी लोगों की आम भाषा स्पेनिश हो सकती है। इसलिए, वे इसके बारे में स्पेनिश में बात करते हैं, इस वाक्य को स्पेनिश में तैयार करते हैं, और फिर वहां से इसे लक्ष्य भाषा में अनुवाद करते हैं।

यह दुनिया का कोई दूसरा हिस्सा हो सकता है, यह चीनी हो सकता है, यह हिंदी हो सकता है। पूर्वी अफ्रीका में, यह स्वाहिली है, और इसलिए हम इन चीजों के बारे में स्वाहिली में बात करेंगे, हम इसे तोड़ेंगे, हम स्वाहिली में एक वाक्य लिखेंगे, और फिर वे कहेंगे, ओह हाँ, ठीक है, हम इसे अपनी भाषा में कह सकते हैं। अब जब हम जानते हैं कि इसका क्या मतलब है, तो हम इसे उसी तरह कह सकते हैं।

जब मैं पूर्वी अफ्रीका में तंजानिया में रह रहा था, तो मुझे रोमनों की पुस्तक पर एक कार्यशाला करने के लिए बुलाया गया और रोमनों की पुस्तक की व्याख्या और अनुवाद करने के तरीके के बारे में बताया गया। दोस्तों, ऐसा करने से पहले लंच पैक कर लें क्योंकि यह वास्तव में एक कठिन भूमिका है। और इसलिए हमें यही करना था, हमें इन सभी अमूर्त संज्ञाओं, इन सभी कृदंतों और चीजों को तोड़ना था, और हम अंग्रेजी में लिखेंगे, और फिर जब हम इसे अंग्रेजी में लिख लेंगे, तो अनुवाद टीम ने कहा, ठीक है, हम यह कर सकते हैं।

एक युवा व्यक्ति, एक बहुत ही बुद्धिमान युवा व्यक्ति, रिचर्ड, सुसमाचार का अनुवाद कर रहा था, और वह हर सप्ताह अध्यायों का अनुवाद करता था। और वह रोमियों के पास आया, और उसने एक दिन में दो छंदों का अनुवाद किया, और वह सोच रहा था, यह कठिन है। एक बार जब आप उस प्रक्रिया से गुजर जाते हैं, तो वह कहता है, ठीक है, यह आसान है।

क्या आप हमें दिखा सकते हैं कि हम इसे अपने लिए कैसे समझें? और हाँ, हमने ऐसा किया। यह अनुवादक के बोझ को कम करता है कि वह इस कठिन पाठ को समझने की कोशिश करे, और इससे उनके लिए वास्तव में काम करना आसान हो जाता है। ठीक है, तो हमने पिछली चर्चा में आत्मा के फल से इस अंश के बारे में बात की, और आत्मा के फल के बारे में, हमने कहा, फल और आत्मा के बीच का संबंध।

आत्मा यह कार्य कर रही है। आत्मा लोगों में फल पैदा कर रही है। और हमने कहा, ठीक है, वह आत्मा लोगों को बनाती है, एक व्यक्ति को दूसरे लोगों से प्रेम करने के लिए प्रेरित करती है।

आत्मा लोगों को आनंदित या प्रसन्न बनाती है, लोगों को शांत और धैर्यवान बनाती है, एक व्यक्ति को दूसरे लोगों के प्रति दयालु व्यवहार करने में सक्षम बनाती है, एक व्यक्ति को दूसरों के प्रति कोमल बनाती है, एक व्यक्ति को वफ़ादार बनने में मदद करती है, और एक व्यक्ति को खुद को नियंत्रित करने में मदद करती है। ठीक है, और अंतिम चरण तब पूरा श्लोक लिखना है। हमने पिछली चर्चा में ऐसा नहीं किया था, और मैं अब ऐसा करना चाहता हूँ क्योंकि व्याख्या वाला भाग करना और अर्थ वाला भाग खोदना समीकरण का आधा हिस्सा है।

जब तक आप वास्तव में इसे एक वाक्य में डालने की कोशिश नहीं करते, तब तक आपको एहसास होता है, ओह, मैं इन सभी चीजों को ऐसे ही सूचीबद्ध नहीं कर सकता। इसे एक सामान्य वाक्य की तरह प्रवाहित होना चाहिए, और कभी-कभी, आपको संयोजक जोड़ने की आवश्यकता होती है। आपको या तो जोड़ने की आवश्यकता है। आपको यह या वह या क्योंकि या परिणामस्वरूप जोड़ने की आवश्यकता है, दूसरे शब्दों में, कि उसे एक साथ जोड़ें।

तो, हम इस नतीजे पर पहुंचे। आत्मा एक व्यक्ति को दूसरों से प्रेम करने में सक्षम बनाती है। वह उन्हें आनंदित करती है।

वह उन्हें शांतिपूर्ण बनाता है। पवित्र आत्मा एक व्यक्ति को दूसरों के साथ धैर्य रखने में मदद करता है। वह उन्हें लोगों के प्रति दयालु होने में मदद करता है।

वह उन्हें लोगों के साथ नम्रता से पेश आने में सक्षम बनाता है। वह उन्हें लोगों के प्रति वफ़ादार होने के लिए व्यवहार करने में सक्षम बनाता है। वह उन्हें खुद पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

आप क्या सोचते हैं? तो मैंने जो अनुवाद किया है वह सही नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि यह उन्हें उस जगह के थोड़ा करीब ले जाएगा जहां उन्हें पहुंचने की जरूरत है ताकि वे विचार कर सकें, ठीक है, मैं इन चीजों को अब अपनी भाषा में कैसे कह सकता हूँ? और इसलिए जब आप इसे लिखते हैं, तो फिर से, हमने कहा कि यह एक तरह से पहला मसौदा है कि इसे लक्ष्य भाषा में कैसे कहा जा सकता है, और फिर अनुवाद टीम को यह निर्धारित करने की जरूरत है, ठीक है, अब जब हमने इसे ग्रहण कर लिया है, अब जब हमने इसे अपने दिमाग में अवधारणा बना लिया है, और हमने सोचा है कि हमारे लोग इसे कैसे ग्रहण नहीं कर सकते हैं, अब हम सोच रहे हैं, हम इसे अपने लोगों के लिए कैसे शब्दबद्ध कर सकते हैं? यह पूरी प्रक्रिया व्याख्या और अनुवाद में इसे लिखने के बीच का चरण है। तो, हम इस पाठ पर विचार करने, अर्थ को आत्मसात करने, जिस भाषा के साथ हम काम कर रहे हैं उसके आधार पर विभिन्न अनुवाद कठिनाइयों के बारे में सोचने के इस मध्य स्थान पर बैठते हैं, हमारे पास कौन सी आवश्यक जानकारी होनी चाहिए जिसे व्यक्त करने की आवश्यकता है, और उन सभी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हमें लक्ष्य भाषा में किन भाषा रूपों का उपयोग करने की आवश्यकता है। तो, वह मध्य स्थान वह है जहां बहुत से

अनुवादक अपना समय बिताते हैं, और फिर, जब वे वहां पहुंच जाते हैं, तो वे अपनी बात व्यक्त कर सकते हैं।

और इसलिए ऐसा करने और एक मसौदा संस्करण लिखने की प्रक्रिया वास्तव में उस मध्य स्थान में वास्तव में सहायक है, और फिर यह लक्ष्य भाषा में संक्रमण को बहुत आसान बनाता है। ठीक है, तो मौखिक विशेषणों का अनुवाद करना। तो, एक मौखिक शब्द, जिसे अक्सर संज्ञा के रूप में व्यक्त किया जाता है, किसी व्यक्ति या चीज़ का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है, और आम तौर पर, हम इसका उल्लेख करते हैं और इसका अनुवाद करते हैं।

यह जरूरी नहीं है, लेकिन अनुवादकों द्वारा अपनाई जाने वाली सबसे अच्छी प्रथाओं में से एक यह है कि इसे सापेक्ष उपवाक्य में बदल दिया जाए। इसका मतलब है कि इसमें कौन वाला उपवाक्य है, जो कुछ करता है, और फिर आप क्रिया को स्पष्ट करते हैं। याद रखें, हम इसे एक परिमित क्रिया बनाते हैं।

ठीक है, तो उसके चुने हुए लोग वे होंगे जिन्हें उसने चुना है। उद्धारकर्ता वह व्यक्ति होता है जो दूसरों को बचाता है। पापी वह व्यक्ति होता है जो पाप करता है या परमेश्वर का अपमान करता है या जो परमेश्वर की अवज्ञा करता है।

प्रेरित वह व्यक्ति होता है जिसे कोई व्यक्ति भेजता है। सेवक वह व्यक्ति होता है जो सेवा करता है। शासक वह होता है जो किसी देश या लोगों के समूह पर शासन करता है।

ओवरसियर वह होता है जो लोगों की देखरेख करता है। कभी-कभी, ग्रीक में, यह संज्ञा होती है; कभी-कभी, यह कृदंत होती है। हिब्रू में, बहुत बार, वे कृदंत होते हैं, लेकिन क्या उस भाषा में कृदंत होते हैं जिसमें आप अनुवाद कर रहे हैं? यही सवाल है।

ठीक है, तो अब हमने मौखिक विशेषणों का अनुवाद कर लिया है। आइए मौखिक संज्ञाओं और कृदंतों के कुछ उदाहरणों का उपयोग करें। प्रेरितों के काम 4:12, किसी दूसरे में उद्धार नहीं है।

फिर, कौन बचाता है? परमेश्वर यीशु को बचाता है। वे किसे बचाते हैं? वे लोगों को बचाते हैं। वे उन्हें किससे बचाते हैं? अनन्त दण्ड से लेकर उनके पापों के लिए परमेश्वर द्वारा दण्डित किये जाने तक।

लेकिन अगर आप इसे सीधे-सादे तरीके से कहना चाहते हैं, तो हम कह सकते हैं कि कोई और नहीं है जो लोगों को बचा सके। और अगर आप उस सज़ा में कुछ और जोड़ना चाहते हैं, तो वह भी ठीक रहेगा। और जब तक आप इसे प्रेरितों के काम 4:12 में डालने की कोशिश नहीं करते, इसे यहाँ इस तरह से करना एक बात है, लेकिन इसे वास्तव में आयत में डालना दूसरी बात है।

यह मुश्किल हो सकता है क्योंकि हमने संयोजक और अन्य चीज़ों को जोड़ने, वाक्य और सूचना को उस भाषा में ठीक से प्रवाहित करने के बारे में बात की थी। जेम्स 4.9, अपनी हंसी को शोक में बदल दें। हंसी एक संज्ञा है, और शोक एक कृदंत है।

और जेम्स उन्हें प्रोत्साहित कर रहा है, शायद उन्हें फटकार भी लगा रहा है। आपको हँसना नहीं चाहिए, इसलिए वह उन्हें हँसना बंद करने के लिए कह रहा है, लेकिन इसके बजाय, आपको शोक मनाना शुरू कर देना चाहिए। तो यह इन अमूर्त संज्ञाओं और कृदंतों से बचने का एक तरीका है।

ठीक है, 1 थिस्सलुनीकियों 4:15 में, हम जो जीवित हैं और प्रभु के आने तक बने रहेंगे। और याद रखें कि हमने क्या कहा: इस कृदंत वाक्यांश का क्या कार्य है? यह वास्तव में एक पूर्वसर्ग वाक्यांश है जब प्रभु आता है। इसलिए, हम जो जीवित हैं, तब तक बने रहेंगे जब तक प्रभु नहीं आता या जब तक वह हमें आपके प्रेम से परिचित नहीं कराता।

आपका प्यार, वस्तु, आपके, दूसरे शब्दों में, लोगों के पास, कुछ इस तरह का। उसने हमें बताया है कि आप दूसरे लोगों से कैसे प्यार करते हैं। उसने हमें बताया है कि आप दूसरे लोगों से कैसे प्यार करते हैं या जिस तरह से आप दूसरे लोगों से प्यार करते हैं।

जिस तरह से आप, फिर से, अगर हम कहते हैं कि लोगों को अपना प्यार दिखाओ, तो हमने प्यार को एक चीज़ के रूप में वापस रखा है। इसलिए, हमें ऐसा न करने के लिए सावधान रहने की ज़रूरत है। हम क्रिया को अपने आप ही रहने देते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि अंग्रेजी में, हमारे पास संज्ञा-संचालित भाषा है। हम वाक्य में संज्ञा के आधार पर बहुत कुछ काम करते हैं, और इससे हमें बड़ी जानकारी मिलती है। स्वाहिली में, यह क्रिया-संचालित भाषा है।

तो, अगर आप कहते हैं, वह घर गया, तो वह एलियनडा गया, एक शब्द है। और आप कह सकते हैं, वह एलियनडा गया। एक शब्द पूरा वाक्य है।

एक शब्द में वह उपसर्ग के रूप में है, इसमें काल है, जिसका अर्थ है भूतकाल, और इसमें क्रिया चली गई है। यह सब एक शब्द है। उसने इसे खरीदा, या उसने पुस्तक खरीदी।

अली निन्नुआ किताबु, उसने किताब खरीदी। आप यह भी कह सकते हैं, अली की निन्नुआ, उसने इसे खरीदा। और यह सब एक शब्द है।

इसलिए, हमें यह समझने की ज़रूरत है कि ये भाषाएँ कैसे काम करती हैं ताकि हम उन्हें सबसे अच्छे तरीके से संप्रेषित कर सकें। ठीक है। क्या स्वाहिली में अमूर्त संज्ञाएँ हैं? हाँ।

क्या वे उनका उपयोग करते हैं? हाँ। क्या उनके पास of के साथ संबंधकारक वाक्यांश हैं? हाँ। लेकिन हमें सावधान रहने की ज़रूरत है कि वे ग्रीक और अंग्रेज़ी में जिस तरह से इसका अर्थ और उपयोग किया जाता है, उससे मेल खाते हों और स्वाहिली में जिस तरह से इसका उपयोग किया जाता है, उससे मेल खाते हों।

और हम इसका एक उदाहरण देखेंगे कि ऐसा कब नहीं होता। और यही समस्या है, जो यह है कि वे मान सकते हैं कि वे जानते हैं कि इसका क्या मतलब है, लेकिन वास्तव में, वे नहीं जानते। और

ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वे बुद्धिमान नहीं हैं; ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके दिमाग में किसी विशेष शब्द या वाक्यांश के अर्थ के बारे में पहले से ही एक धारणा बनी हुई है।

ठीक है। ठीक है, चलो आगे बढ़ते हैं। आइए एक वाक्य का उदाहरण लें जिसमें अमूर्त संज्ञाएँ और कृदंत हैं।

जॉन जंगल में पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप के बपतिस्मा का प्रचार करते हुए दिखाई दिए। काफी सीधा-सादा। या फिर ऐसा है? ठीक है, क्रियाएँ क्या हैं? बैपटिस्ट।

तो, बपतिस्मा देना क्रिया है। और जॉन और वह वह है जो बपतिस्मा देता है, और वह लोगों को बपतिस्मा देता है। जॉन बैपटिस्ट प्रकट हुआ।

तो यह एक सीधी क्रिया है। यह एक परिमित क्रिया है। इसमें ed लगा है।

हम जानते हैं कि यह भूतकाल है। उपदेश एक कृदंत है। जॉन उपदेश दे रहा था।

जॉन लोगों को उपदेश दे रहा था। और जॉन क्या उपदेश दे रहा था? जॉन लोगों को किसी तरह का संदेश दे रहा था। बपतिस्मा।

और प्रतिभागी जॉन लोगों को बपतिस्मा दे रहे हैं। अब, अगर आप कहते हैं, जॉन बपतिस्मा देने वाला, तो क्या यह काम करेगा? यह इसे फिर से संज्ञा बना रहा है। जब आप किसी चीज़ पर -er लगाते हैं, तो यह अब संज्ञा बन जाती है।

और हम इसे सीधे क्रिया के रूप में और व्यक्ति द्वारा कार्य करने के रूप में कहकर इससे बचने की कोशिश कर रहे हैं। ठीक है, तो बपतिस्मा। पश्चाताप का मतलब पश्चाताप करना है।

इसका मतलब है किसी काम से दूर हो जाना। लोग कुछ करना बंद कर देते हैं। इसलिए, इस मामले में, वे पाप करने से पश्चाताप करते हैं, और पाप करना परमेश्वर के विरुद्ध किसी तरह का अपराध है।

क्षमा। इसमें पापों की क्षमा के लिए कहा गया है। क्या इसमें यह भी कहा गया है कि कौन क्षमा करता है? नहीं।

क्या इसमें यह लिखा है कि किसे माफ़ किया जाता है? नहीं। लेकिन हम जानते हैं कि परमेश्वर माफ़ करता है। वह अकेला ही है जो माफ़ करता है।

और लोगों को माफ़ कर दिया जाता है, और उन्हें माफ़ कर दिया जाता है क्योंकि उन्होंने क्या पाप किया, कैसे उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया। ठीक है, पाप वास्तव में एक मौखिक धारणा हो सकती है। पाप करना।

लोग पाप करते हैं, और इस मामले में, परमेश्वर के विरुद्ध। ठीक है, आइए हम इस पर काम करें कि हम इन सब को कैसे एक साथ जोड़ते हैं। तो यहाँ श्लोक है, और हमें पुनः-अभिव्यक्ति वाले भाग पर जाने से पहले कुछ प्रश्न पूछने की आवश्यकता है।

तो, बपतिस्मा दो। यूहन्ना किसे बपतिस्मा दे रहा है? वह जंगल में लोगों को बपतिस्मा दे रहा था। पश्चाताप करो।

किसने पश्चाताप किया? लोगों ने पश्चाताप किया। कौन क्षमा करता है? परमेश्वर क्षमा करता है। पश्चाताप का बपतिस्मा क्या है? बपतिस्मा और पश्चाताप के बीच क्या संबंध है? ऐसा करने के लिए, हमें अपने मन में इस परिदृश्य की कल्पना और चित्रण करने की आवश्यकता है।

ऐसा ही जॉन और जंगल में रहने वाले लोगों के साथ हुआ, जहाँ उसे जॉर्डन नदी में बपतिस्मा दिया गया था। लेकिन हम अपने मन में यह भी कल्पना कर सकते हैं कि जब कोई व्यक्ति ये सब करता है तो क्या होता है। तो एक व्यक्ति सबसे पहले क्या करता है? वह सबसे पहले पश्चाताप करता है।

और फिर पश्चाताप करने के बाद उन्हें बपतिस्मा दिया जाता है। और आम तौर पर, आप पूछते हैं, ठीक है, मुझे पश्चाताप है। मैंने जो किया उसके लिए मुझे खेद है।

तो, पश्चाताप के बाद पछतावा होता है। और फिर वे कहते हैं, जॉन, मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे बपतिस्मा दो। और जब वे बपतिस्मा लेते हैं, तो यह दर्शाता है कि उन्होंने पश्चाताप करने का निर्णय लिया है।

आज की तरह, अगर कोई व्यक्ति आस्तिक नहीं है और उसने बपतिस्मा लिया है, तो यह दर्शाता है कि मैंने यीशु पर विश्वास किया है, और मैंने अपना जीवन यीशु का अनुसरण करने के लिए समर्पित कर दिया है। इसलिए बपतिस्मा आंतरिक विश्वास का प्रतीक है। इसलिए, बपतिस्मा लेना दर्शाता है कि उन्होंने पश्चाताप किया है।

और इसका क्या मतलब है कि जॉन ने बपतिस्मा का प्रचार किया? माफ़ करें, अगर आप सड़क पर 10 लोगों से ऐसा कहते हैं जो चर्च नहीं जाते हैं, तो शायद 10 में से 10 लोग कहेंगे, मुझे नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। यह एक अजीब निर्माण है जिसकी हम चर्च में आदत डाल लेते हैं, लेकिन यह वास्तव में अच्छी अंग्रेजी नहीं लगती। यह सामान्य अंग्रेजी नहीं है।

उसने उन्हें क्या करने के लिए कहा? तो, प्रचार का मतलब है किसी तरह का संदेश देना, है न? या किसी खास संदेश की घोषणा करना। उसने उन्हें क्या करने के लिए कहा? हमें पवित्रशास्त्र के दूसरे हिस्सों में इसका सुराग मिलता है, और यहीं पर हम पवित्रशास्त्र की व्याख्या करने के लिए पवित्रशास्त्र का इस्तेमाल करते हैं। और हम प्रेरितों के काम 2:38 में पाते हैं, पतरस कहता है, पश्चाताप करो और पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लो।

यह लगभग शब्दशः वैसा ही लगता है, जैसा मार्क 1:4 में कहा गया है। यीशु ने कहा, पश्चाताप करो, क्योंकि राज्य निकट है। इसलिए, पश्चाताप का आह्वान पहली बात है। और बपतिस्मा लें।

दूसरे शब्दों में, मुझे पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेने दें ताकि आपको अपने पापों से क्षमा मिल सके। ठीक है, तो चलिए इसे एक श्लोक में एक साथ रखने की कोशिश करते हैं। तो यहाँ श्लोक है, और यहाँ एक संभावित तरीका है।

यह सही नहीं है, लेकिन इसे कहने का एक संभावित तरीका यह है। जॉन बैपटिस्ट जंगल में प्रकट हुए। उन्होंने प्रचार किया कि लोगों को पाप से पश्चाताप करना चाहिए, और वह उन्हें बपतिस्मा देंगे, और परमेश्वर उनके खिलाफ पाप करने के लिए उन्हें क्षमा करेंगे।

आप क्या सोचते हैं? तंजानिया में, हम दक्षिणी तंजानिया में अपनी अनुवाद टीमों को पढ़ा रहे हैं, जहाँ मैं इस पूरी प्रक्रिया पर काम कर रहा था। हम जिन भाषाओं के साथ काम कर रहे हैं उनमें से एक याकूजा भाषा है। इनमें से ज्यादातर भाषाओं में चर्च लंबे समय से मौजूद है और यहाँ तक कि हमारे साथ अनुवादक के तौर पर काम करने वाले पादरी भी हैं। और इसलिए उन्होंने इसे एक भाषा में अनुवादित किया, और वह याकूजा भाषा थी।

और उन्होंने इसे कुछ इस तरह से लिखा। तो, मैं याकूजा चर्च में बोल रहा था, और मैं देखना चाहता था कि उन्हें अनुवाद कैसा लगा। तो, मेरे पास अनुवाद की एक प्रति थी, और हम इस पर चर्चा कर रहे थे। जब मैं यह संदेश दे रहा था, तो मैं मंच से इस पर चर्चा कर रहा था, और इसे समझना वाकई मुश्किल है।

चर्च के पादरी उस क्षेत्र के बिशप भी थे। इसलिए बिशप साइमन वहाँ थे। वे पहली पंक्ति में हैं।

और मैंने पादरी साइमन से पूछा, क्या आप कृपया आकर इसे याकूजा में पढ़ सकते हैं? तो वह मंच पर आए, और उन्होंने इसे याकूजा में पढ़ा, और फिर उन्होंने मुझे बाइबल वापस दी, और वे हंसने लगे। वे बस हंसते रहे और हंसते रहे और हंसते रहे। और फिर वे नीचे चले गए, अपनी सीट की ओर वापस चले गए, और वे रुक गए, और वे दुबले हो गए, और वे बस हंस रहे थे।

और वह अपनी सीट पर वापस आ गया, और मैंने पूछा, पादरी बिशप, आप क्यों हंस रहे हैं? और उसने कहा कि यह बहुत स्पष्ट है। उसने कहा कि एक बच्चा भी इसे समझ सकता है। यह शानदार है।

पोगोमा भाषा के अनुवादक थे, और उन्होंने इन सिद्धांतों का उपयोग करके अनुवाद किया था। उन्होंने पूरे नए नियम का अनुवाद किया है, और वे हर चीज़ का अंतिम बार अध्ययन कर रहे थे।

और इसलिए उन्होंने पादरियों के एक समूह से पूछा, क्या आप हमारे साथ बैठेंगे और ड्राफ्ट कॉपी तैयार करने से पहले इसे हमारे साथ पढ़ेंगे? और फिर आप सभी बाद में ड्राफ्ट कॉपी ले सकते हैं और इसे अपने चर्च और अन्य लोगों के साथ पढ़ सकते हैं। लेकिन हम अभी इसे अंतिम बार पढ़ना चाहते हैं। और उन्होंने इस एक आदमी को आने के लिए आमंत्रित किया।

और वह कहता है, तुम्हें पता है, मुझे इसमें कोई मूल्य नहीं दिखता। मुझे नहीं पता कि मैं यहाँ क्यों हूँ, लेकिन ठीक है, ठीक है। मैं आज यहाँ रहूँगा, और देखूँगा कि मेरे पास यह करने के लिए समय है या नहीं।

खैर, वे पूरी चीज़ को पढ़ने के लिए लगभग दो सप्ताह तक वहाँ रहने की योजना बना रहे थे, और वह निश्चित नहीं था कि वह ऐसा करना चाहता था। वह संशय में था क्योंकि, आखिरकार, हमारे पास स्वाहिली बाइबिल है। हमें पोगोमा बाइबिल की क्या ज़रूरत है? यह आसान है।

बस स्वाहिली पढ़िए। हम सभी स्वाहिली बोलते हैं। इसलिए उन्होंने मार्क की पुस्तक से शुरुआत की, और वे यहाँ इस श्लोक तक पहुँच गए।

और इस बुजुर्ग ने कहा कि मैं उस आयत को कभी नहीं समझ पाया। आपने जिस तरह से इसे लिखा है वह बहुत शानदार है। इससे यह बहुत समझ में आता है।

और उन्होंने कहा कि मैं अपनी सभी अन्य नियुक्तियाँ और अन्य सभी काम रद्द कर रहा हूँ। मैं अगले दो सप्ताह तक यहाँ रहूँगा। एक अच्छा अनुवाद सटीक होना चाहिए।

यह स्वाभाविक होना चाहिए। यह समझने योग्य होना चाहिए। और यह लोगों को स्वीकार्य होना चाहिए।

लेकिन याद रखें कि मैंने जो दूसरा वाक्य कहा था वह क्या था? यह प्रभावशाली होना चाहिए। उस व्यक्ति पर भाषा का प्रभाव पड़ा। यह उसकी भाषा थी, और वह संदेश से प्रभावित हुआ क्योंकि यह उस तक गहरे तरीके से पहुँचा जिसने उसके दिल को छू लिया।

यही हमारा लक्ष्य है। निष्कर्ष में, क्रियावाचक संज्ञाओं, विशेषणों और कृदंतों को परिमित क्रियाओं का उपयोग करके पुनः परिभाषित करना और इन प्रतिभागियों को स्पष्ट बनाना। हम इसे एक अग्रदूत के रूप में करते हैं।

फिर अगला कदम इसे एक वाक्य में फिर से लिखना है ताकि इसका अनुवाद किया जा सके। धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 20, मौखिक विचार, भाग 2 है।